1. आयुष मंत्रालय ने 'नमस्ते योग' मोबाइल एप किया लॉन्च

- 11 जून, 2021 को 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Day of Yoga-IDY) के लिए कर्टेन रेजर इवेंट के दौरान 'नमस्ते योग' (Namaste Yoga) नामक एक मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च की गई। यह एप योग को समर्पित है। इस कार्यक्रम का आयोजन आयुष मंत्रालय द्वारा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (Morarji Desai National Institute of Yoga-MDNIY) के सहयोग से किया गया था।
- इस अवसर पर राज्य आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री किरेन रिजिजू ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 पर दूरदर्शन पर लगभग 10 दिवसीय श्रृंखला और इस श्रृंखला के केंद्रीय संदेश "Be with Yoga Be at Home" पर प्रकाश डाला।
- 'नमस्ते योग' एप को लोगों के लिए एक सूचना मंच के रूप में तैयार किया गया है। 'नमस्ते योग' का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसे अधिक-से-अधिक लोगों के लिए सुलभ बनाना है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Day of Yoga)

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम- "Yoga at home and Yoga with Family" के तहत मनाया जाएगा।

पृष्ठभूमि

- प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाता है। विश्व स्तर पर सर्वप्रथम वर्ष 2015 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया था। 11 दिसंबर, 2014 को 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' के 69वें सत्र के दौरान एक प्रस्ताव पारित करके 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस/विश्व योग दिवस के रूप में मनाए जाने को मान्यता दी गई थी।

SarkariExam.com

- ज्ञात हो कि भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है, जिसके बाद 21 जून को वर्ष का सबसे बड़ा दिन माना जाता है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून को किया जाता है।
- पहला योग दिवस 2015 में राजपथ, नई दिल्ली में मनाया गया था। इसने 35,985 लोगों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा योग सत्र होने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

2. मध्य प्रदेश सरकार ने शुरू किया युवा शक्ति कोरोना मुक्ति अभियान

CMO Madhya Pradesh @C... · 55m
Replying to @CMMadhyaPradesh
इसके अंतर्गत उच्च और तकनीकी शिक्षा के शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं लगभग 16 लाख विद्यार्थियों को 'कोविड अनुकूल व्यवहार एवं वैक्सीनेशन' के संबंध में प्रशिक्षण देकर उनके माध्यम से लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया जाएगा।
1 4 19

CMO Madhya Pradesh @C... · 55m
अभियान के अंतर्गत कॉलेजों में विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में कोविड अनुकूल व्यवहार और टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी। ये विद्यार्थी, अपने परिवार तथा आस-पास के समाज के नागरिकों को कोरोना से बचाव और वैक्सिनेशन से होने वाले लाभों की जानकारी देंगे।
3 3 17

CMO Madhya Pradesh @C... · 52m
अभियान की प्रभावी रियल टाइम ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए एक मोबाइल एप भी विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से 'युवा शक्ति कोरोना मुक्ति' अभियान की प्रतिदिन की गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से कोविड महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 'युवा शक्ति कोरोना मुक्ति' अभियान चलाया जाएगा।
- इसके अंतर्गत उच्च और तकनीकी शिक्षा के शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं लगभग 16 लाख विद्यार्थियों को 'कोविड अनुकूल व्यवहार एवं वैक्सीनेशन' के संबंध में प्रशिक्षण देकर उनके माध्यम से लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया जाएगा।
- अभियान के अंतर्गत कॉलेजों में विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में कोविड अनुकूल व्यवहार और टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। ये विद्यार्थी, अपने परिवार तथा आस-पास के समाज के नागरिकों को कोरोना से बचाव और वेक्सिनेशन से होने वाले लाभों की जानकारी देंगे।
- अभियान की प्रभावी रियल टाइम ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए एक मोबाइल एप भी विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से 'युवा शक्ति कोरोना मुक्ति' अभियान की प्रतिदिन की गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

3. ब्रिस्बेन वर्ष 2032 के ओलंपिक खेलों का करेगा मेजबानी

BRISBANE 2032
PARALYMPICS GAMES

BRISBANE 2032

- 10 जून, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के कार्यकारी बोर्ड ने वर्ष 2032

ओलंपिक की मेजबानी के लिए ब्रिस्बेन के नाम को प्रस्तावित करने का निर्णय लिया गया है।

- कार्यकारी बोर्ड का यह निर्णय ओलंपियाड खेलों के लिए फ्यूचर होस्ट कमीशन की एक रिपोर्ट पर आधारित था, जिसने हाल के महीनों में ब्रिस्बेन, 2032 परियोजना का विस्तृत विश्लेषण किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्यों द्वारा 21 जुलाई, 2021 को टोक्यो में 138वें IOC सत्र में मतदान करने की उम्मीद है ताकि इसकी पुष्टि की जा सके। IOC अध्यक्ष ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद यह पुष्टि की है कि ब्रिस्बेन को टोक्यो ओलंपिक के उद्घाटन से पहले 21 जुलाई की बैठक में वर्ष 2032 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार दिया जा सकता है।
- जब फरवरी, 2021 में IOC ने इसे पसंदीदा उम्मीदवार के तौर पर नामित किया तो इस ऑस्ट्रेलियाई शहर को टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए फास्ट ट्रैक पर रखा गया था।
- IOC बोर्ड के इस सर्वसम्मत निर्णय का श्रेय ब्रिस्बेन, 2032 के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए वर्षों के कार्य को दिया जा सकता है।
- जनवरी, 2021 तक यह लगभग स्पष्ट हो गया था कि ब्रिस्बेन वर्ष 2032 तैयारियों की उन्नत स्थिति में था।
- आपको बता दे कि वर्ष 2024 के ओलंपिक खेलों की मेज़बानी फ़्रांस की राजधानी पेरिस को और 2028 की अमरीकी शहर लॉस एंजिल्स को मिली हुई है।

❑ **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (International Olympic Committee)**

- यह एक गैर-लाभकारी स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो खेल के माध्यम से एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिये प्रतिबद्ध है। इसका गठन 23 जून, 1894 को किया गया था और यह ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च अधिकार है। यह ओलंपिक खेलों के नियमित आयोजन को सुनिश्चित करता है, सभी संबद्ध सदस्य संगठनों का समर्थन करता है और उचित तरीकों से ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देता है। वर्तमान में आईओसी का अध्यक्ष थॉमस बाक (Thomas Bach) है।

4. भारतीय तटरक्षक बल ने ओलिव रिडले के बचाव के लिए 'ऑपरेशन ओलिविया' किया शुरू

- हाल ही में भारतीय तटरक्षक बल ने ओडिशा में ओलिव रिडले कछुओं (Olive Ridley Turtles) की रक्षा के लिए ऑपरेशन ओलिविया (Operation Olivia) शुरू किया है। ऑपरेशन ओलिविया भारतीय तटरक्षक बल (ICG) द्वारा पहली बार 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू किया गया था। यह ऑपरेशन हर साल ओलिव रिडले कछुओं की रक्षा करने

में मदद करता है जब वे नवंबर से दिसंबर के महीनों में प्रजनन के लिए ओडिशा तट पर घोंसला बनाना शुरू करते हैं।

- इसके तहत तटरक्षक बल की संपत्ति जैसे फास्ट पेट्रोल वेसल, इंटरसेप्टर क्राफ्ट, एयर कुशन वेसल और डोर्नियर एयरक्राफ्ट के जरिए नवंबर से मई तक चौबीसों घंटे निगरानी की जाती है।
- आपको बता दे कि नवंबर, 2020 से मई, 2021 के बीच तटरक्षक बल ने 225 जहाज दिवस और 388 विमान घंटे समर्पित किए हैं। उन्होंने 3.49 लाख कछुओं की रक्षा की है।

ओलिव रिडले (Olive Ridley)

- ओलिव रिडले समुद्री कछुओं (Lepidochelys Olivacea) को 'प्रशांत ओलिव रिडले समुद्री कछुओं' के नाम से भी जाना जाता है। यह मुख्य रूप से प्रशांत, हिन्द और अटलांटिक महासागरों के गर्म जल में पाए जाने वाले समुद्री कछुओं की एक मध्यम आकार की प्रजाति है। ये माँसाहारी होते हैं।
- पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने वाला विश्व का सबसे पुराना और सबसे बड़ा संगठन आईयूसीएन (International Union for Conservation of Nature- IUCN) द्वारा जारी रेड लिस्ट में इसे अतिसंवेदनशील (Vulnerable) प्रजातियों की श्रेणी में रखा गया है।
- भारत में पाए जाने वाले समुद्री कछुओं को भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में शामिल किया गया है। वे Convention of International Trade in Endangered Species (CITES) of Wild Fauna and Flora के परिशिष्ट I में भी सूचीबद्ध हैं।
- उनके सामूहिक घोंसले को अरिबाडा (Arribada) कहा जाता है। गहिरमाथा, अस्टारंगा तट, देवी नदी का मुहाना और रुशिकुल्या भारत में ओडिशा तट से 4 अरिबाडा स्थल हैं। ओलिव रिडले कछुए हज़ारों किलोमीटर की यात्रा कर ओडिशा के गंजम तट पर अंडे देने आते हैं और फिर इन अंडों से निकले बच्चे समुद्री मार्ग से वापस हज़ारों किलोमीटर दूर अपने निवास-स्थान पर चले जाते हैं।
- उल्लेखनीय है कि लगभग 30 साल बाद यही कछुए जब प्रजनन के योग्य होते हैं, तो ठीक उसी जगह पर अंडे देने आते हैं, जहाँ उनका जन्म हुआ था।
- दरअसल अपनी यात्रा के दौरान भारत में गोवा, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश के समुद्री तटों से गुज़रते हैं, लेकिन प्रजनन करने और घर बनाने के लिये ओडिशा के समुद्री तटों की रेत को ही चुनते हैं।

भारतीय तटरक्षक बल (ICG)

- यह रक्षा मंत्रालय के तहत एक सशस्त्र बल, खोज और बचाव तथा समुद्री कानून प्रवर्तन एजेंसी है। इसमें सतह और वायु संचालन दोनों के लिये कार्य करने के क्षमता है। यह विश्व के सबसे बड़े तट रक्षकों में से एक है।
- इसकी स्थापना 18 अगस्त, 1978 को तटरक्षक अधिनियम, 1978 द्वारा की गई थी। यह गैर-सैन्य कार्य करता है। ICG के गठन की अवधारणा वर्ष 1971 के युद्ध के बाद अस्तित्व में आई तथा रुस्तमजी समिति द्वारा एक बहु-आयामी तटरक्षक के लिये दूरदर्शी खाका तैयार किया गया था।
- ICG का नेतृत्व महानिदेशक भारतीय तटरक्षक (DGICG) करते हैं जो नई दिल्ली में स्थित

तटरक्षक मुख्यालय (CGHQ) से अपनी समग्र कमान और अधीक्षण का प्रयोग करते हैं। सन्निहित क्षेत्र और अनन्य आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone-EEZ) सहित भारत के क्षेत्रीय जल पर इसका अधिकार क्षेत्र है।

5. 14 जून को मनाया गया विश्व रक्तदाता दिवस

- प्रतिवर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस (World Blood Donor Day) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित रक्त एवं रक्त उत्पादों की आवश्यकता के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदान के लिये रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए अन्य लोगों को भी इस कार्य हेतु प्रोत्साहित करना है। विश्व रक्तदान दिवस 2021 की थीम 'Give blood and keep the world beating'(खून दो और दुनिया को धड़कने दो) रखी गई है।
- इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2004 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा रक्तदाताओं को धन्यवाद देने और सुरक्षित रक्त की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। यह दिवस महान जीवविज्ञानी कार्ल लैंडस्टीनर (Karl Landsteiner) की याद में प्रत्येक वर्ष 14 जून को मनाया जाता है। कार्ल लैंडस्टीनर जन्म 14 जून, 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन (Agglutinin) की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का A, B और O समूह में वर्गीकरण किया था। इस महत्त्वपूर्ण खोज के लिये ही कार्ल लैंडस्टाईन को वर्ष 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था।
- जटिल चिकित्सा और सर्जरी की स्थिति में रोगी का जीवन बचाने के लिये रक्त की आवश्यकता पड़ती है। प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं और सैन्य संघर्ष जैसी आपात स्थितियों में घायलों के इलाज में भी रक्त की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। जीवन रक्षक के रूप में यह बहुत ही अनिवार्य है। इतना महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद सुरक्षित रक्त प्राप्त करना आज भी काफी चुनौतीपूर्ण है। अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देश संबंधित बुनियादी ढाँचे की कमी जैसे विभिन्न कारणों के परिणामस्वरूप अपने नागरिकों को सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने के लिये संघर्ष करते हैं।

6. नफ्ताली बेनेट बने इजराइल के नए प्रधानमंत्री

- 13 जून, 2021 को इजराइल में नई सरकार का गठन हो गया है। 02 जून, 2021 को इजरायल में विपक्षी राजनीतिक दलों में गठबंधन को लेकर सहमति बन गई थी। इसके बाद 8 पार्टियों की गठबंधन सरकार की कमान कट्टरपंथी नेता नफ्ताली बेनेट संभालेंगे। इस गठबंधन में पहली बार कोई अरब-मुस्लिम पार्टी (राम) भी शामिल है। दूसरी तरफ बेंजामिन नेतन्याहू के 12 साल का कार्यकाल खत्म हो गया। हालांकि वे भी गठबंधन सरकार के ही मुखिया थे।
- 13 जून देर रात सरकार के पक्ष में 60 जबकि विरोध में 59 सांसदों ने वोट किया। इस गठबंधन में शामिल राम पार्टी के एम.के. साद अल हरूमी वोटिंग से गैर हाजिर रहे।
- इजराइली सियासत में अस्थिरता कई साल से नजर आ रही है। दो साल में चार चुनाव हुए लेकिन किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। बेनेट प्रधानमंत्री भले ही बन गए हों और उन्होंने गठबंधन भी बना लिया हो, लेकिन उनकी सरकार को लेकर लोग बहुत आशावान नहीं हैं। इसकी एक वजह है कि इस गठबंधन के पास बहुमत से सिर्फ एक सीट ही ज्यादा है। अगर किसी भी मुद्दे पर गठबंधन में मतभेद हुए तो नया चुनाव ही रास्ता बचेगा।

दोनों दलों के नेता बारी- बारी से प्रधानमंत्री बनेंगे

- यामिना पार्टी के बेनेट सितंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री रहेंगे। इसके बाद वे यह पद येर लैपिड को सौंप देंगे। यह गठबंधन की शर्तों में शामिल है। नेतन्याहू इसे सत्ता के लिए सौदेबाजी बता रहे हैं। लेकिन उनके खिलाफ भी भ्रष्टाचार के केस चल रहे हैं। हालांकि वे खुलेआम आरोप लगा रहे हैं कि यह कोएलिशन सरकार चंद महीने भी नहीं टिक पाएगी।

दो साल में अब तक 4 बार चुनाव हो चुके

- दो साल में चार चुनावों के बाद भी किसी पार्टी को अकेले के दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। संसद में कुल 120 सीटें हैं। बहुमत के लिए 61 सांसद चाहिए। लेकिन मल्टी पार्टी सिस्टम है और छोटी पार्टियां भी कुछ सीटें जीत जाती हैं। इसी वजह से किसी एक पार्टी को बहुमत पाना आसान नहीं होता। नेतन्याहू के साथ भी यही हुआ।

इसाक हर्जोग इजरायल के 11वें राष्ट्रपति

- 02 जून, 2021 को इजराइली संसद 'नेसेट' ने पूर्व केंद्र-वाम राजनेता इसाक हर्जोग को देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना है। इसाक हर्जोग इजरायल के 11वें राष्ट्रपति होंगे। हर्जोग अगले

महीने राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे। हर्जोग रेवेन रिवलिन की जगह लेंगे जिनका 7 वर्ष का कार्यकाल 9 जुलाई, 2021 को समाप्त हो रहा है।

7. ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए 10 क्रिकेटर

- 13 जून, 2021 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने ICC हॉल ऑफ फेम में 10 खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन 10 क्रिकेटरों ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अभूतपूर्व योगदान दिया है।
- इन दस खिलाड़ियों के शामिल होने के साथ ही इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले क्रिकेटरों की संख्या 103 हो गई है। भारत के लेफ्ट आर्म स्पिनर वीनू मांकड़ को इसमें जगह दी गई है। इसमें पाँच युगों के 10 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।
- वीनू मांकड हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 7वें भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले हॉल ऑफ फेम में भारत के दिग्गज खिलाड़ी बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, सुनील गावस्कर, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को शामिल किया जा चुका है।
- आईसीसी हॉल ऑफ फेम में 5 अलग-अलग समय के दिग्गज खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।
- इसमें प्रारंभिक युग (वर्ष 1918 से पहले) के लिए दक्षिण अफ्रीका के ऑब्रे फॉल्कनर और ऑस्ट्रेलिया के मोंटी नोबल को शामिल किया गया। विश्व युद्ध के बीच के समय के लिए (वर्ष 1918-1945) वेस्टइंडीज के सर लीरी कॉन्सटेंटाइन और ऑस्ट्रेलिया के स्टेन मैककेबे को चुना गया है। विश्व युद्ध के बाद के युग (वर्ष 1946 -1970) के लिए इंग्लैंड के टेड डेक्सटर और भारत के वीनू मांकड़ को शामिल किया गया।
- वन-डे युग (वर्ष 1971-1995) के लिए वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और इंग्लैंड के बॉब विलिस को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। आधुनिक युग (वर्ष 1996-2016) के लिए जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर और श्रीलंका के कुमार संगकारा को हॉल ऑफ फेम में जगह दी गयी।

❑ वीनू मांकड

- वीनू मांकड का जन्म 12 अप्रैल, 1917 को जामनगर, गुजरात में हुआ था। उनका वास्तविक नाम मूलवंतराय हिम्मतलाल मांकड़ था। वीनू मांकड भारत के महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं।
- उन्होंने भारत के लिए 44 टेस्ट खेले, जिसमें 31.47 के औसत से 2109 रन बनाये और 32.32 के औसत से 162 विकेट भी लिए। वीनू मांकड ने महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को भी कोचिंग दी थी।

8. ब्रिटेन में मिला 'मंकीपॉक्स' वायरस

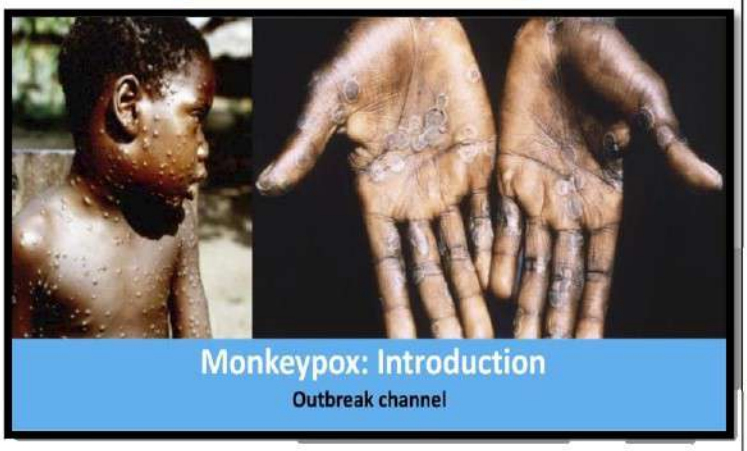

- हाल ही में कोरोना वायरस के बीच एक और वायरस 'मंकीपॉक्स' के दो मामले ब्रिटेन के वेल्स (Wales) में सामने आए हैं। मंकीपॉक्स वायरस काफी हद तक स्मॉलपॉक्स के वायरस की तरह ही होता है।
- पब्लिक हेल्थ वेल्स ने कहा कि जिन दो लोगों में मंकीपॉक्स (Monkeypox) के मामलों की पहचान हुई है, वे दोनों एक ही घर में रहते हैं। उसने बताया कि ये दोनों विदेश में संक्रमित हुए।
- मंकीपॉक्स पुराना वायरस है, जो ज्यादातर अफ्रीकी देशों में पाया जाता है। बताया जा रहा है कि दोनों संक्रमित लोगों को इंग्लैंड में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक को छुट्टी मिल गई और एक अब भी अस्पताल में भर्ती है। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड भी हालात पर नजर बनाए हुए है। स्वास्थ्य सुरक्षा में पब्लिक हेल्थ वेल्स के सलाहकार रिचर्ड फर्थ ने कहा कि ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के पुष्ट मामले एक दुर्लभ घटना है और इस वायरस से आम जनता के लिए जोखिम बहुत कम है।
- हालांकि यह बीमारी घातक नहीं होती और विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण की संभावना कम है। यह वायरस ज्यादातर उष्णकटिबंधीय वर्षावनों के पास, मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों के दूरदराज के हिस्सों में ही फैलता है। इस मंकीपॉक्स वायरस के दो मुख्य प्रकार हैं- पश्चिम अफ्रीकी और मध्य अफ्रीकी।

लक्षण

- मंकीपॉक्स वायरस के मामले में शुरुआत में बुखार, सिरदर्द, सूजन, कमर में दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और दर्द होता है। इसमें भी चिकनपॉक्स की तरह ही दाने होते हैं। एक बार जब बुखार हो जाता है तो शरीर में दाने विकसित होने लगते हैं, जो अक्सर चेहरे पर शुरू होते हैं और फिर शरीर के अन्य भागों में फैल जाते हैं। इसमें आमतौर पर हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों में दाने होते हैं। यह मंकीपॉक्स वायरस 14 से 21 दिनों तक रहता है।

कितनी खतरनाक है ये बीमारी?

- WHO के मुताबिक इस बीमारी में डेथ रेट 11% तक जा सकती है। हालांकि स्मॉलपॉक्स से बचाने वाली वैक्सीन वैक्सीनिया मंकीपॉक्स के खिलाफ भी असरकारक है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल (CDC) के मुताबिक स्मॉलपॉक्स के खिलाफ तैयार हुई सिडोफोवीर ST-246 और वैक्सीनिया इम्यूनि ग्लोबुलिन (VIG) मंकीपॉक्स पर भी असरकारी है।

मंकीपॉक्स वायरस

- मंकीपॉक्स वायरस एक ऑर्थोपॉक्सवाइरस है (Orthopoxvirus) है जिससे वायरल फैलता है।
- इसके लक्षण सामान्यतः मानव चेचक (Human Smallpox) के समान होते हैं।

- चेचक (Smallpox) को वर्ष 1990 में विश्व से उन्मूलित घोषित कर दिया गया लेकिन मंकीपॉक्स अभी भी मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों (उष्णकटिबंधीय वर्षावनों वाले क्षेत्रों) में मौज़ूद है। जूनोटिक रोग होने के कारण यह जानवरों के माध्यम से मानव में फैलता है। हालाँकि एक मानव से दूसरे मानव में इसके संक्रमण की संभावना बहुत सीमित होती है।
- अभी तक इस रोग का कोई विशेष टीका उपलब्ध नहीं हो पाया है परंतु विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार,इसे रोकने में चेचक (Smallpox) की वैक्सीन सिडोफोविर, ST-246, और वीआईजी प्रभावी साबित होती है।
- मानव में मंकीपॉक्स के संक्रमण का मामला पहली बार वर्ष 1970 में कांगो रिपब्लिक में नज़र आया था। उसके बाद वर्ष 2003 में ये बीमारी अमेरिका समेत दुनियाभर के कई देशों में फैला था।

9. शहरों के पुराने वृक्ष बनेंगे हेरीटेज-ट्री, संरक्षण के लिए एक्शन प्लान को महाराष्ट्र सरकार ने दी मंजूरी

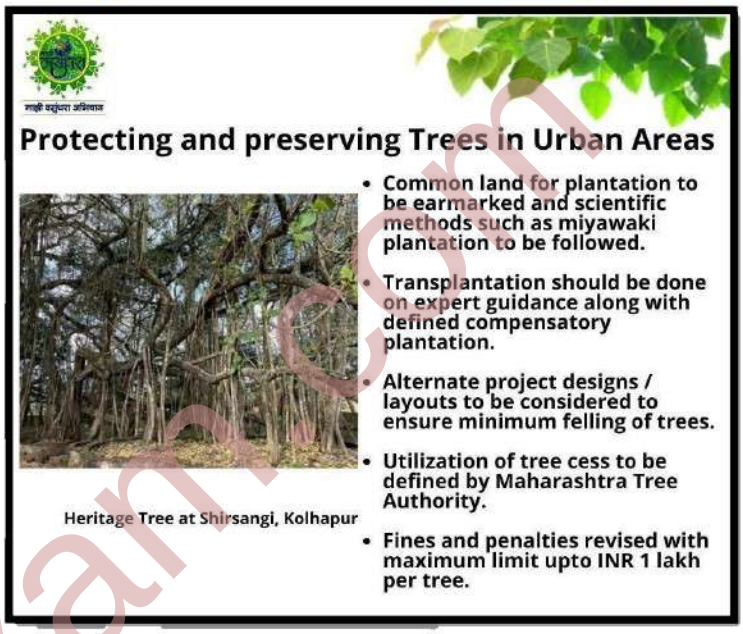

- हाल ही में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने शहरी क्षेत्रों में 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पुराने पेड़ों की रक्षा के लिए एक कार्य योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने Maharashtra (Urban Areas) Protection and preservation of Trees Act of 1975 में संशोधन की बात कही है।
- महाराष्ट्र सरकार यह कदम विरासत वृक्षों (heritage trees) के संरक्षण के लिए उठा रही है। यह कार्य योजना प्रतिपूरक वृक्षारोपण भी सुनिश्चित करेगी, जिसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- इसके साथ महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने स्थानीय निकायों और परिषदों में 'महाराष्ट्र वृक्ष

प्राधिकरण' के गठन को भी हरी झंडी दी है जो पेड़ों के संरक्षण के संबंध में सभी निर्णय लेगा।

- स्थानीय वृक्ष प्राधिकरण को विरासत वृक्षों की गिनती के साथ-साथ हर 5 साल में पेड़ों की गणना किया जाना भी सुनिश्चित करना होगा। प्रस्तावित संशोधन के तहत 50 साल या उससे अधिक की अनुमानित आयु वाले पेड़ों को हेरिटेज ट्री के रूप में परिभाषित किया जाएगा।
- यहाँ पेड़ की उम्र प्रतिपूरक वृक्षारोपण के हिस्से के रूप में लगाए जाने वाले पेड़ों की संख्या निर्धारित करेगी।
- किसी भी व्यक्ति को हेरिटेज ट्री को काटने के बदले उतने ही पेड़ लगाने होंगे जितनी काटे गए पेड़ की उम्र रही हो। आपको बता दें कि राज्य में वर्तमान प्रतिपूरक वृक्षारोपण के मुताबिक प्रत्येक काटे जाने वाले पेड़ के लिए एक पौधा लगाना होता है।

10.चीन के BRI का मुकाबला करने के लिए G7 नेताओं ने Build Back Better World (B3W) किया लॉन्च

- हाल ही में G7 नेताओं ने चीन के Belt and Road Initiative (BRI) का मुकाबला करने के लिए विकासशील देशों की मदद करने के लिए Build Back Better World (B3W) नामक नई पहल लॉन्च की है। G-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन इंग्लैंड के कॉर्नवाल में 11 से 13 जून तक किया गया है। इस सम्मेलन के दौरान G7 नेताओं ने Build Back Better World (B3W) पहल का समर्थन किया।
- व्हाइट हाउस के एक बयान में के अनुसार राष्ट्रपति बाईडेन और G7 साझेदार नई वैश्विक बुनियादी ढांचा पहल Build Back Better World (B3W) शुरू करने के लिए सहमत हुए हैं। व्हाइट हाउस के बयान में इस पहल को प्रमुख लोकतंत्रों के नेतृत्व में एक मूल्य-

SarkariExam.com

संचालित, उच्च-मानक और पारदर्शी बुनियादी ढांचा साझेदारी के रूप में वर्णित किया गया है, जो विकासशील दुनिया में 40 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के बुनियादी ढांचे की जरूरत को कम करने में मदद करता है, जिसे COVID-19 महामारी द्वारा बढ़ा दिया गया है। B3W आने वाले वर्षों में निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए सैकड़ों अरबों डॉलर के बुनियादी ढांचे के निवेश को सामूहिक रूप से उत्प्रेरित (catalyze) करेगा।

❑ पीएम मोदी ने G7 शिखर सम्मेलन में One Earth One Health का आह्वान किया

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने G7 शिखर सम्मेलन में वर्चुअली भाग लिया, अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए वैश्विक एकता, नेतृत्व और एकजुटता का आह्वान किया और लोकतांत्रिक और पारदर्शी समाजों की विशेष जिम्मेदारी पर बल दिया।
- अपने संबोधन में पीएम मोदी ने 'One Earth One Health' का संदेश दिया। उन्होंने महामारी से लड़ने के लिए भारत के 'समग्र समाज' के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इस दौरान पीएम मोदी ने कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और वैक्सीन प्रबंधन के लिए ओपन सोर्स डिजिटल टूल्स के भारत के सफल उपयोग पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अन्य विकासशील देशों के साथ अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया।
- इसके अलावा, पीएम मोदी ने वैश्विक स्वास्थ्य शासन में सुधार के सामूहिक प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।उन्होंने COVID संबंधित तकनीकों पर TRIPS छूट के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा WTO में लाए गए प्रस्ताव के लिए G7 का समर्थन मांगा।

❑ अन्य प्रमुख बिन्दु

1. 'बिल्डिंग बैक स्ट्रॉन्गर-हेल्थ' शीर्षक से युक्त यह सत्र कोविड-19 महामारी से वैश्विक निजात और भविष्य की महामारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को मजबूत बनाने पर केंद्रित है।
2. इस सत्र के दौरान, भारत के प्रधानमंत्री ने भारत में कोविड संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान जी-7 और अन्य अतिथि देशों द्वारा दिए गए समर्थन की सराहना की है। उन्होंने महामारी से लड़ने की दिशा में सरकार, उद्योग और नागरिक समाज के सभी स्तरों के प्रयासों के तालमेल के साथ भारत के 'समग्र समाज' के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।
3. भारत के प्रधानमंत्री ने संपर्क ट्रेसिंग और वैक्सीन प्रबंधन के लिए ओपन सोर्स डिजिटल टूल्स के भारत के सफल उपयोग के बारे में भी जानकारी दी और अन्य विकासशील देशों के साथ अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया।
4. प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्वास्थ्य शासन में सुधार हेतु किए जा रहे सामूहिक प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की प्रतिबद्धता भी जताई है।
5. उन्होंने कोविड से संबंधित प्रौद्योगिकियों पर ट्रिप्स (TRIPS) छूट के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा डब्ल्यूटीओ में प्रस्तावित प्रस्ताव पर जी-7 समूह का समर्थन मांगा है।
6. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी से प्रभावी तौर पर निपटने के लिए 'एक धरती, एक स्वास्थ्य' (One Earth, One Health) पर ज़ोर दिया जाना चाहिए।